



19

खुली चिट्ठी

स्थान एवम् दिनांक

अ. ब. स.

प्रिय अनुज समागत,

स्नेह एवम् आशीर्वाद!

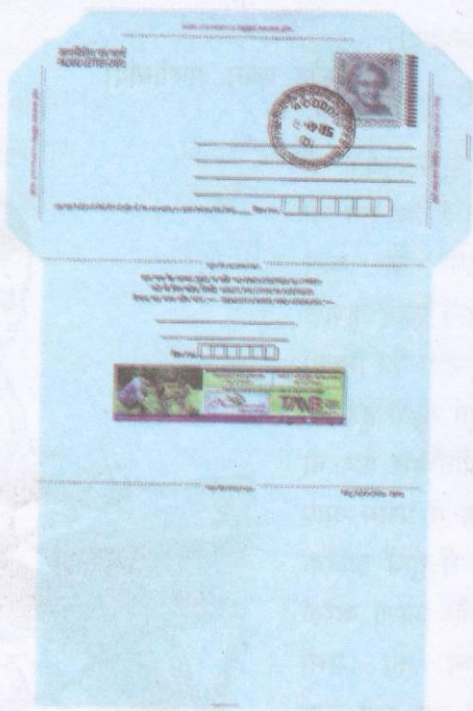
हम सब यहाँ कुशलपूर्वक हैं और आशा करते हैं कि तुम भी अपने सहपाठियों के साथ छात्रावास में प्रसन्न एवम् कुशल होंगे। कल ही तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर बहुत खुशी हुई कि हर साल की भाँति इस बार भी तुम अपनी कक्षा में प्रथम आए हो। इसके लिए मैं तुम्हें हार्दिक बधाई देती हूँ और आशा करती हूँ कि भविष्य की सभी परीक्षाओं में भी तुम इसी तरह मेहनत कर अच्छे अंकों से सफल हो दिन दोगुनी रात चौगुनी उन्नति करते रहोगे। अब आगे नवीं कक्षा की पढ़ाई और कठिन हो जाएगी, जिसके लिए तुम्हें अभी से कमर कसनी पड़ेगी।





समागत! तुम जीवन के उस दौर में प्रवेश करने जा रहे हो जहाँ तुम नए शारीरिक, मानसिक एवम् भावनात्मक बदलाव महसूस करोगे। कभी-कभी कुछ किशोर इन बदलावों से जूझते हुए उचित मार्गदर्शन न मिलने के कारण पथभ्रष्ट हो जाते हैं जिससे उनमें तनाव, चिंता एवम् डर का भाव उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति में वे गलत संगत में पड़ जीवन संबंधी नए-नए प्रयोग करते हुए गलत रास्ते पर अग्रसर हो जाते हैं।

आज मैं तुम्हारा ध्यान इसी किशोरावस्था में नौ के गलत रास्ते पर चलने के दुष्प्रभावों की ओर ले जाना चाहती हूँ। गलत संगत में पड़कर कुछ किशोर गुटखा, खैनी, जरदा, बीड़ी, सिगरेट, भाँग, चिट्ठा एवम् चरस जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करके अपने भविष्य को कुएँ में धकेल रहे हैं। नशा आज के किशोरों को जिस तरह से अपनी चपेट में ले रहा है, वह अति चिंता का विषय है।



प्रिय भाई! नशे की आदत एक ऐसी बुरी आदत है जो एक बार लग गई तो लाख कोशिश के बाद भी इससे मुक्त नहीं हुआ जा सकता। नशीले पदार्थों का सेवन कुछ मिनटों के लिए आनंद तो देता है, परंतु किशोरों को ऐसे चौराहे पर लाकर खड़ा कर देता है, जहाँ आगे कुआँ और पीछे खाई होती है क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम बहुत घातक होते हैं।

तंबाकू के सेवन से कैंसर, दिल और दिमाग का दौरा, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियाँ हो जाती हैं। गुटखा-खैनी, तंबाकू चबाने से मुँह, खाने की नली और साँस की नली का कैंसर हो जाता है। धूम्रपान करने से पैरों की नसों के रक्त संचार में रुकावट का खतरा सोलह गुना अधिक बढ़ जाता है जिससे गैंगरीन रोग भी हो सकता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का भी मुख्य कारण है। आज नशे का ये भीमकाय अजगर पूरे समाज को धीरे धीरे निगलता हुआ खत्म कर रहा है।

समाज के दुश्मन अपना उल्लू सीधा करने के लिए शैक्षिक संस्थानों के भोले-भाले किशोरों की आँखों में धूल झाँक कर विभिन्न नशीले पदार्थों को मुँह माँगे दामों पर बेच, देश के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

ज्यादातर किशोर नशीले पदार्थों का सेवन दोस्तों की देखा-देखी, तनाव में या शौकिया तौर पर शुरू करते हैं पर उन्हें कब इसकी लत लग जाती है, उन्हें इस बात का पता भी नहीं चलता। धीरे धीरे नशे के कारण उनका दिमाग और शरीर बीमारियों का घर बन जाता है। इस बात को कभी मत भूलना कि नशा एक धीमा जहर है।

ये नशीले पदार्थ बहुत महंगे होते हैं और कई बार इनके लिए जेब में पैसे न होने पर किशोर अपराधी तक बन जाते हैं। प्रायः समाज में यह भी देखा गया है कि कई बार नशा करने वालों को जब नशा नहीं मिलता तो वह आत्महत्या तक कर लेते हैं।

मेरे भाई! किशोरावस्था जीवन की सबसे संवेदनशील अवस्था होती है। यहाँ नहीं संभले तो जीवन भर निराशाओं के अतिरिक्त और कुछ भी हाथ नहीं लगता। इसलिए मैं तुम्हें बस यही कहना चाहती हूँ कि नशे की बुरी आदत में पड़कर तुम स्वयं अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मत मारना।

आशा है कि तुम मेरी बातों को समझ कर अपना ध्यान पढ़ाई एवम् समाजोपयोगी गतिविधियों पर लगाओगे।



आठवीं कक्षा में प्रथम आने की पुनः बधाई। किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर हमें लिखने में संकोच मत करना। माँ और पिताजी की ओर से आशीर्वाद। अपना ध्यान रखना।
तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा में.....

तुम्हारी अग्रजा,
संस्कृति

(पाठ्यचर्या प्रकोष्ठ, एससीईआरटी सोलन, हिप्र की निर्मिति)

प्रश्न-अभ्यास



चिट्ठी से

1. किशोरों में दिन-प्रतिदिन नशीले पदार्थों का सेवन क्यों बढ़ता जा रहा है?
2. 'नशा एक धीमा ज़हर है।' कथन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।
3. उचित मार्गदर्शन न मिलने पर किशोरों में क्या-क्या समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?
4. 'नशा अपराध का द्वार है।' कैसे?
5. नशा स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार हानिकारक है?



चिट्ठी से आगे

1. 'नशीले पदार्थों का सेवन कुछ मिनटों के लिए तो आनंद देता है पर इसके दूरगामी परिणाम बहुत घातक होते हैं।' ऐसा क्यों कहा गया है?
2. नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार को क्या करना चाहिए? अपने सुझाव 60-80 शब्दों में दें।

3. आपने अपने आस-पास नशे के आदी किसी व्यक्ति को देखा होगा आपने उसमें एवम् एक सामान्य व्यक्ति के व्यवहार और परिवार में क्या भिन्नता देखी है? इस विषय को लेकर अध्यापक के साथ कक्षा में चर्चा करें।



अनुमान और कल्पना

1. यदि आपके पड़ोस या घर पर कोई व्यक्ति नशा करता है तो आप उसे इस लत से बचाने के लिए क्या कदम उठाएँगे?
2. सभी शैक्षिक संस्थानों में प्रतिवर्ष 26 जून किस दिवस के रूप में मनाया जाता है और क्यों? सभी छात्र परस्पर चर्चा करके लिखें।
3. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पठित पत्र के आधार पर काव्यांश की संदेशयुक्त कुछ पंक्तियाँ लिखो —

आओ सोचें, विचार करें

हम किस देश के वासी हैं ?

राम-कृष्ण जहाँ पैदा हुए

वह धरती संकल्प की प्यासी है।

अब हमको भी संकल्प लेना है

रचना और अभिव्यक्ति

1. नशे के दुष्प्रभावों का वर्णन करते हुए अपने मित्र/परिचित/रिश्तेदार को पत्र लिखिए।
2. समाज को नशे की बुराई से दूर रहने का संदेश देने वाली एक लघुनाटिका तैयार कर अपने विद्यालय में उसका मंचन करें।
3. अध्यापक 'नशे के दुष्प्रभाव' विषय पर कक्षा-कक्ष में छात्रों में वाद-विवाद, निबंध लेखन, चित्रकला, पोस्टर निर्माण और नारा लेखन आदि रचनात्मक क्रियाएँ करवाएँ।

भाषा की बात

1. पठित चिट्ठी में से तीन मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
2. पठित चिट्ठी के आधार पर निम्नलिखित पदों में संधि कीजिए-

किशोर + अवस्था	=	-----
छात्र + आवास	=	-----
समाज + उपयोगी	=	-----
दुः + प्रभाव	=	-----

3. समास के बारे में आप पढ़ चुके हैं। इस चिट्ठी में आए निम्नलिखित समस्त-पदों का विग्रह कर समास का नाम भी लिखें -

पथभ्रष्ट	=	-----	-----
चौराहा	=	-----	-----
रक्तसंचार	=	-----	-----

4. चिट्ठी में आए निम्नलिखित शब्दों के तीन पर्यायवाची लिखें -

समागत	=	-----	-----	-----
संकोच	=	-----	-----	-----
आनंद	=	-----	-----	-----
सफल	=	-----	-----	-----

शब्दार्थ

निबंध	-	विचारों को बाँधना
छात्रावास	-	छात्रों के रहने का स्थान
अग्रसर	-	आगे बढ़ना
पुनः	-	फिर से
अग्रजा	-	बड़ी बहन
संकोच	-	झिझक
भीमकाय	-	बड़े शरीर वाला
गैंगरीन	-	माँस का सड़ना
घातक	-	जानलेवा





शब्दकोश

इस शब्दकोश से आपको इस पुस्तक के पाठों के कठिन शब्दों के अर्थ समझने में सहायता मिलेगी। नीचे बाईं ओर कठिन शब्द तथा दाईं ओर उसका अर्थ दिया गया है।

कहीं-कहीं शब्दों के अनेक पर्याय भी दिए गए हैं। इससे आप प्रसंग के अनुसार अनुकूल शब्द का चयन करना सीख सकेंगे। यह शब्दकोश आपको शब्दों के न केवल सही अर्थ जानने में मदद करेगा अपितु शब्दों की सही वर्तनी भी सिखाएगा।

शब्द का अर्थ देने से पहले मूल शब्द के बाद कोष्ठक में एक संकेताक्षर दिया गया है। व्याकरण की दृष्टि से कोई शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि शब्दों में से किस भेद का है, यह सूचना आपको इस संकेताक्षर से मिलेगी। यहाँ जो संकेताक्षर अथवा संक्षिप्त रूप प्रयुक्त हुए हैं, वे इस प्रकार हैं—

अ.	- अव्यय	अ.क्रि.	- अकर्मक क्रिया
क्रि.	- क्रिया	क्रि.वि.	- क्रिया विशेषण
पु.	- पुल्लिंग	फा.	- फारसी
मु.	- मुहावरा	वि.	- विशेषण
सं.	- संज्ञा	स.क्रि.	- सकर्मक क्रिया
सर्व.	- सर्वनाम	स्त्री.	- स्त्रीलिंग

इस शब्दकोश में अपेक्षित शब्द का अर्थ ढूँढ़ना शुरू करने से पहले यह उचित होगा कि शब्दकोश देखने की सही विधि आप जान लें। इसके लिए नीचे लिखे बिंदुओं को ध्यान में रखना होगा—

1. जिस शब्द के बारे में जानकारी प्राप्त करनी है, उसके प्रारंभ का वर्ण देखा जाता है। उसके आधार पर ही शब्द ढूँढ़ा जाता है।
2. शब्दकोश में शब्दों को इस वर्ण-अनुक्रम में दिया जाता है—अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ के पश्चात् क से ह तक के सही वर्ण क्रम के अनुसार।

3. क्ष, त्र, ज्ञ को ह के बाद नहीं ढूँढ़ना चाहिए। क्ष, क् और ष का संयुक्त रूप है। अतः क से शुरू होने वाले शब्दों के समाप्त होने पर क्ष से प्रारंभ होने वाले शब्द देखे जा सकते हैं।
4. त्र, त् और र का संयुक्त रूप है। अतः त्र से शुरू होने वाले शब्द त से शुरू होने वाले शब्दों के बाद ही ढूँढ़े जाने चाहिए। त्य से संबंधित शब्द जब समाप्त हो जाते हैं तब त्र से आरंभ होनेवाले शब्द देखे जा सकते हैं।
5. ज्ञ, ज् और ज का संयुक्त रूप है। अतः ज्ञ से शुरू होने वाले शब्दों को ज से शुरू होने वाले शब्दों के बाद ही ढूँढ़ना चाहिए। ज से संयुक्त होकर बनने वाला पहला वर्ण ज्ञ ही है। अतः जौहरी के बाद ही ज्ञ से बनने वाले शब्द देखे जा सकते हैं। ज्ञ के बाद ज्य से बनने वाले शब्द आते हैं।

शब्दार्थ

अंत्येष्टि	— स्त्री.(सं.) मृतक कर्म, दाह कर्म
अकबकाना	— वि. भौंचक्का होना, घबराना
अजीबो-गरीब	— वि. अनोखा
अपन	— सर्व. अपना
असीम	— वि. जिसकी कोई सीमा न हो, अपार
अहमियत	— वि.(अ.) महत्व
आँकना	— क्रि. अनुमान लगाना
आपा	— पु.(सं.) अहं
आलम	— पु.(अ.) दुनिया, माहौल
आलीशान	— (वि.) शानदार
आवाजाही	— (स्त्री.) आना-जाना, आवागमन
आहि	— अ.क्रि. है
इत्ते-सारे	— वि. इतने सारे
ईजाद	— क्रि. खोज, अन्वेषण



उजरत	— वि.(अ.) मजदूरी, मेहनत का बदला, पारिश्रमिक
उजागर	— वि. प्रकट करना
उपानह	— पु. जूता
एसएमएस	— अ. लघु संदेश सेवा
कर	— पु.(सं.) हाथ
कसर	— स्त्री.(अ.) घाटा पूरा करना, कमी
काढ़त	— अ.क्रि. बाल बनाना
किरदार	— पु. अभिनेता की भूमिका, चरित्र
कुमक	— स्त्री.(फा.) फौजी टुकड़ी
कोर्ट मार्शल	— पु. फौजी अदालत
खपत	— स्त्री. माल की बिक्री, आपूर्ति
खमा	— स्त्री. क्षमा
खयाल	— पु.(फा.) विचार
खिताब	— पु.(अ.) उपाधि, सम्मान
खुराफाती	— वि. शरारती
खोंते	— पु. घोंसले
गंतव्य	— वि.(सं.) स्थान जहाँ किसी को जाना हो
गफश	— वि. गप्स, घना बुना हुआ
गात	— पु. शरीर
गारी	— स्त्री. गाली, अपशब्द
गुडविल	— अ. सुनाम, अच्छी छवि
गुहत	— स.क्रि. गूँथना
गोता	— पु.(अ.) पानी में डूबना
गोरस	— पु. दूध, दही मक्खन, घी आदि
घमासान	— पु. घोर, भयानक
घिसीपिटी	— वि. जो बहुत दिनों से चली आ रही, पुरानी
घूरा	— पु. कूड़े-करकट का ढेर



चकिसों	— वि. चकित, विस्मित
चाम	— पु. त्वचा, चमड़ा
चाव	— पु. चाह, तीव्र इच्छा
चारपाई	— स्त्री. खाट, छोटा पलंग
चिहाकर	— स.क्रि. चौंककर, चकित होकर
जायजा	— पु.(अ.) जाँच-परख
जुगाड़	— पु. उपाय
जुरत (जुरअत)	— स्त्री. बहादुरी, साहस
जुरतो (जुरत)	— अ.क्रि. जुटना, एकत्र होना, प्राप्त होना
जोए	— पु. ढूँढ़ना, देखना, खोजना
जोटी	— स्त्री. जोड़ी
झँगा	— पु. ढीला कुरता
झुटपुटा	— पु. सबेरे या शाम का समय जब प्रकाश इतना कम हो कि कोई चीज़ साफ़ दिखाई न दे, वह समय जब कुछ-कुछ अँधेरा और कुछ-कुछ उजाला हो
टहलुआ	— पु. नौकर
डलिया	— स्त्री. बाँस का बना एक छोटा पात्र
डामलफाँसी	— पु. आजीवन कारावास का दंड, देश निकाला
डिस्क फॉर्म	— रिकॉर्डिंग का एक रूप
ढरकी	— स्त्री. कपड़ा बुनते हुए जुलाहे जिससे बाने का सूत फेंकते हैं, भरनी
ढँढोरि	— स.क्रि. ढूँढ़ना
ढाँणी	— स्त्री (सं.) अस्थायी निवास, कच्चे मकानों की बस्ती जो गाँव से कुछ दूर बनी हो
ढाँढ़स	— पु. दिलासा, धीरज
ढोटा	— पु. लड़का





तंद्रालस	— स्त्री.(सं.), वि.(सं.) नींद से अलसाया हुआ
तनखाह	— स्त्री.(फा.) वेतन, पगार
तरकारी	— स्त्री. सब्जी
तह	— स्त्री.(फा.) गहराई
ताउम्र	— प्र.(सं.)स्त्री.(अ.) उम्र भर
दड़बे	— पु. मुर्गियों के रहने की जगह
दबीज	— वि. (फा.)मोटा, मजबूत
दबैल	— वि. दब्बू
दस्तावेज	— स्त्री.(फा.) प्रमाण संबंधी कागजात, प्रमाण पत्र
दहुँ	— पु. दस
दालान	— पु. बरामदा
दुपटी	— स्त्री. अंगोछा, गमछा
दुहेली	— स्त्री. दुख, दुख में पड़ा हुआ, कष्ट साध्य
दिसि	— स्त्री. दिशा
द्विज	— पु.(सं.) ब्राह्मण
धर्मभीरु	— पु.(वि.) जिसे धर्म छूटने का भय हो, अधर्म से डरने वाला
धींगा-मुश्ती	— वि.(स्त्री.) धक्का-मुक्की, लड़ना-भिड़ना, शरारत
धुआँधार	— पु.(वि.) ताबड़तोड़
नगीना	— सं.(पु.) नग, रत्न
नफासत	— स्त्री. सज्जा, सजा-सँवरा
न्योता	— पु. निमंत्रण
नाजुक	— वि.(फा.) कोमल
नायाब	— वि. बहुमूल्य, बेशकीमती
निद्रित	— वि.(सं.) सोया हुआ
निमित्त	— पु.(सं.) कारण
पखने	— पु. पंख



पगड़ी	— स्त्री. सिर पर लपेटकर बाँधा जाने वाला लम्बा कपड़ा
पगा	— पु. पगड़ी
पचि-पचि	— पु. बार-बार
पटकथा	— पु. फिल्म के लिए लिखी जाने वाली कहानी
पठवनि	— स.क्रि. भेजना, विदाई
पनही	— स्त्री. जूता
परात	— स्त्री. थाली की तरह का पीतल आदि धातु से बना एक बड़ा और गहरा बरतन
पर्दाफ्राश	— पु. भेद खोलना, दोष प्रकट करना
पाँख	— पु. पंख, पर
पाखी	— पु. पक्षी, चिड़िया
पाछिली	— वि. पिछला
पात	— पु. पत्ता
पार्श्वगायक	— वि.(सं.), पु.(सं.) पर्दे के पीछे से गाने वाला
पैतृक	— वि.(सं.) पूर्वजों का, पिता से प्राप्त
प्रत्यूष	— पु.(सं.) प्रातःकाल, भोर
प्रयाण	— पु.(सं.) प्रस्थान, मरना
प्रशस्ति पत्र	— स्त्री.(सं.), पु. प्रशंसा पत्र
फकत	— वि.(अ.) केवल
फदगुद्दी	— स्त्री. एक छोटी चिड़िया, गौरैया
फबना	— अ.क्रि. सजना, शोभा देना
फब्ती	— स्त्री. चोट करने वाली या चुभती बात
फरमान	— पु.(फा.) राजाज्ञा
फिकर	— स्त्री. चिंता, फिक्र
फुँदने	— पु. सूत, ऊन आदि का फूल या फुलगेंदा
फुँदनेदार	— पु. फुलगेंदेवाला





फुलेल	— पु. खुशबूदार तेल
फैंटेसी	— वि. काल्पनिक
फोकट	— वि. मूल्यरहित, मुफ्त
बटालियन	— स्त्री.(सं.) पलटन
बाँचना	— स.क्रि. पढ़ना, सस्वर पढ़ना
बियाबान	— पु. जंगल, उजाड़खंड, निर्जन
बिलोकना	— स.क्रि. देखना, अवलोकन करना
बिवाइन	— स्त्री. पाँव की ऐड़ी का फटना
बेगार	— स्त्री.(फा.) बिना मजदूरी का काम
बेनी	— स्त्री.(सं.) चोटी
बैरी	— पु. दुश्मन
भगोने-डोंगे	— पु. भोजन पकाने के बर्तन
भिनसार	— पु. प्रातःकाल, सवेरा
भुई	— स्त्री.(सं.) पृथ्वी, भूमि
मचिया	— स्त्री. बैठने के उपयोग में आने वाली सुतली से बुनी छोटी/चौकोर खाट
मनुहार	— पु. मनाना
मरहम-पट्टी	— पु.(अ.)स्त्री. जख्म का इलाज, घाव पर दवा लगाकर पट्टी बाँधना
मल्लार	— पु.(अ.) मल्हार, संगीत का एक राग
मशगूल	— वि.(अ.) व्यस्त
महावत	— पु. हाथीवान
मातम	— पु.(अ.) शोक मनाना
मानिंद	— वि.(फा.) जैसा, अनुरूप, सरीखा
मामूल	— वि.(अ.) वह बात जो रोज की जाए, हमेशा की तरह



मुँगरी	— सं. गोल, मुठियादार लकड़ी जो ठोकने-पीटने के काम आती है
मुँडेर	— पु.(सं.) छत के आस-पास बनाई जाने वाली दीवार
मुखातिब	— वि.(अ.) देखकर बात करना
मुलुक	— पु. मुल्क, देश
मुस्तैद	— वि. तत्पर, तैयार रहना
मूजी	— वि.(सं.) दुष्ट
म्यान	— पु.(फा.) तलवार रखने का कोष
मोरी	— स्त्री. नाली, गंदे पानी की नाली
यकीन	— पु.(अ.) विश्वास
लगुए-भगुए	— वि. पीछे चलने वाले, मेल-जोल के व्यक्ति
लटजीरा	— पु. चिचड़ा, एक पौधा
लटी	— स्त्री. लटकी हुई, लटकना
लथपथ	— वि. सना हुआ, तर
लफड़ा	— पु. उलझन, झंझट
लवाजिमा	— पु.(अ.) यात्रा आदि में साथ रहने वाला सामान
लशकरी	— पु.(फा.) पलटन, सेना
लस्टम-पश्टम	— अ. अंट-शंट, अव्यवस्थित रूप
लोटी	— क्रि. लोटने वाली
वर्णनातीत	— वि. जिसका वर्णन न किया जा सके
वसुधा	— स्त्री. पृथ्वी
वाकई	— क्रि.वि. बिलकुल, सचमुच
वस्तु विनिमय	— पु.(सं.) पैसों से न खरीदकर एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना
शिखर	— पु. पहाड़ की चोटी
संवाद	— पु.(सं.) फिल्म में की जाने वाली बातचीत
सकत	— स्त्री. शक्ति, सामर्थ्य





सरापा	- अ.(फा.) सिर से पाँव तक पहना जाने वाला वस्त्र
सलाख	- स्त्री. सलाई, धातु की छड़
सवाक् फिल्म	- पु.(सं.) मूक फिल्म के बाद बनी बोलती फिल्म
साँसत	- कठिनाई में पड़ना, बड़ा कष्ट
सांगोपांग	- वि.(सं.) पूरी तरह, ऊपर से नीचे तक
सिटपिटाना	- अ.क्रि. भय या घबड़ाहट से सहम जाना
सिलसिला	- वि. संबंध, कड़ी
सिवा	- अ.(अ.) सिवाय, अलावा, अतिरिक्त
सींके	- पु. छींका जिस पर दूध-दही आदि रखा जाता है
सुमिरन	- क्रि. ईश्वर के नाम का जप (भक्ति का एक प्रकार), स्मरण
सुहावत	- वि. सुंदर/भला, सुहाना लगना
सेंत-मेंत का काम	- स्त्री.(अ.) वह काम जिसके लिए कुछ देना न पड़ा हो, बिना लाभ का काम
सौरभ	- पु. सुगंध, सुवास
स्वच्छंद	- पु. अपनी इच्छा के अनुसार चलने वाला
हटक	- स्त्री. मनाही
हरकारा	- पु. दूत, डाकिया, संदेश पहुँचाने वाला
हरि-हलधर	- पु.(सं.) कृष्ण-बलराम
हस्ती	- वि.(सं.) अस्तित्व
हवाला	- पु.(सं.) उल्लेख करना, उद्धरण
हुलस	- अ.क्रि. उल्लास
हुनरमंद	- पु.(फा.) वि.कुशल, गुणी कारीगर
हैसियत	- स्त्री.(सं.) दरजा
हौले से	- अ. धीरे से